M. A. Hindi

Program Outcomes: Upon successful completion of the Master of Arts in Linguistics program, students will be able to:

PO1	**Knowledge (ज्ञान)** – हिंदी भाषा साहित्य के माध्यम से साहित्यिक अवधारणाओं, सिद्धांतों की समझ का पूर्णता में निदर्शन |
PO2	**Critical Thinking and Reasoning (आलोचनात्मक सोच और तर्क)** – भाषा और साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में समीक्षात्मक दृष्टिकोण, तार्किकता, विश्लेषण एवं विवेचन की दक्षता का विकास |
PO3	**Problem Solving (समस्या समाधान)** – साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से सामाजिक, रजनीतिक तथा सांस्कृतिक संदर्भों के विवेचन एवं विश्लेषण की समझ | वैश्विक समस्याओं का मानवीय दृष्टिकोण से उन्नत समाधान |
PO4	**Advance Analytical and Computational Skills** (उन्नत विश्लेष्णात्मक संगणकीय कौशल) – हिंदी कम्प्यूटिंग के माध्यम से आंकड़ा संसाधन, शब्द संसाधन, मशीनी अनुवाद एवं शिक्षण कौशल विकास करना |
PO5	**Effective Communication (प्रभावी जनसंचार)** – अनुप्रयोगात्मक हिंदी, संप्रेषणपरक हिंदी एवं मीडिया पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रभावी जनसंचार द्वारा विद्यार्थियों को दक्ष बनाना |
PO6	**Social/Interdisciplinary Interaction (सामाजिक/अंतरविषयी सहभागिता)** – साहित्य के विविध सिद्धांतों से परिचय, विमर्शमूलक साहित्य के अध्यायों को प्रकृति, समाज एवं सांस्कृतिक परिवेश से सम्बद्ध कर अध्ययन करना |
PO7	**Self-Directed and Lifelong Learning (स्वनिर्देशित एवं आजीवन अधिगम की प्रेरणा)** – हिंदी भाषा एवं साहित्य द्वारा वैश्विक जीवन मूल्यों से व्यक्तिगत, सामाजिक एवं वैश्विक स्तर पर निर्देश, निर्देशन और मूल्य आधारित शिक्षा का प्रसार |
PO8	**Effective Citizenship: Leadership and Innovation (प्रभावी नागरिकता: नेतृत्व एवं नवाचार)** – विभिन्न साहित्यिक, रचनात्मक एवं सामाजिक क्षेत्र में प्रबुद्ध नागरिक तैयार कर नेतृत्त्व का विकास तथा नवाचार के माध्यम से शिक्षा, कौशल का विकास एवं वृद्धि |
PO9	**Ethics (नैतिकता)** – नवोन्मेषी अनुसंधान, आदिकालीन एवं मध्यकालीन संत साहित्य के माध्यम से सामाजिक व नैतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार तथा शोधानुसंधान में मौलिकता को बनाए रखने के लिए मूल्य शिक्षा |
PO10	**Further Education and Employment (सतत शिक्षा एवं रोजगार)** – हिंदी भाषा एवं साहित्य के अनुसंधान एवं सूचनात्मक लेखन द्वारा सतत शिक्षा तथा पत्रकारिता, मीडिया, अनुवाद, संवाद लेखन, पटकथा लेखन आदि विविध क्षेत्रों में रोजगार |
PO11	**Global Perspective (वैश्विक परिप्रेक्ष्य)** –हिंदी भाषा में वैश्विक भाषा एवं साहित्य का अंतःसंबंध और अनुवाद | भारतीय, प्रवासी तथा विश्व साहित्य का अध्ययन एवं विवेचना |

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs): At the end of the program, the student will be able to:

PSO1	भाषा एवं साहित्य के विविध संप्रदायों, सिद्धांतों का विस्तृत एवं गहन ज्ञान।
PSO2	साहित्यिक अवधारणाओं, अंतः अनुशासनिक एवं अंतर अनुशासनिक ज्ञान संवर्धन।
PSO3	बहुआयामी चिंतन, समस्या निवारण एवं तर्क पद्धति की समझ।
PSO4	संप्रेषण व अनुसंधान कौशल तथा नैतिक मूल्यों का विकास।
PSO5	भारतीय एवं वैश्विक ज्ञान और संस्कृति बोध के साथ ही व्यावसायिक कौशल सहित सतत अधिगम के उपक्रम

MA Hindi Semester-I

I आदिकालीन एवं पूर्व मध्यकाल का इतिहास

1	विद्यार्थी इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्येतिहास लेखन परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याओं की तार्किक विश्लेषण में सक्षम होंगे |	**An**
2	हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन, नामकरण, नामकरण की समस्याओं तथा प्रमुख साहित्येतिहास लेखकों का विश्लेषण कर सकेंगे |	**U**
3	आदिकाल की पृष्ठभूमि, काव्यधाराओं, प्रवृत्तियों एवं प्रतिनिधि रचनाकारों का विवेचन करने में सक्षम होंगे |	**An**
4	निर्गुण भक्ति धारा के स्वरूप दर्शन, काव्य धाराओं, प्रवृत्तियों एवं भक्त कवियों के साहित्य द्वारा वैश्विक जीवन मूल्यों के विश्लेषण में सक्षम होंगे |	**An**
5	सगुण भक्ति धारा के स्वरूप, दार्शनिक विचारों, काव्य धाराओं, प्रवृत्तियों एवं भक्त कवियों के लेखन कौशल का विश्लेषण कर मानवीय दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम होंगे |	**E**

CL: Cognitive Levels **(R-**Remember; **U-**Understanding; **Ap-**Apply;**An-**Analyze;**E-**Evaluate;**C-**Create**).**

II आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

1	आदिकालीन कवि चंदरबरदाई के व्यक्तित्व और कृतित्व, भाषागत विशिष्टताओं एवं अतीत के बोध से सांस्कृतिक संदर्भों के विश्लेषण में सक्षम होंगे |	**An**
2	संत कवि कबीरदास के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व, काव्यगत विशेषताओं, समाज सुधार की भावना, भक्ति के स्वरूप, दार्शनिक एवं आध्यात्मिक विचारों का गहन विश्लेषण करने में सक्षम होंगे |	**An**
3	सूफ़ी कवि मालिक मोहम्मद जायसी के व्यक्तित्त्व और कृतित्व, प्रेमप्रधान भक्ति, काव्य संवेदना, लोकजीवन दर्शन एवं मानवतावादी दृष्टिकोण को समझने में सक्षम होंगे |	**U**
4	अमीर खुसरो एवं विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व, रचना कौशल, भाषा-शैली सौंदर्य, भावाभिव्यक्ति की रसात्मक अनुभूति करने में सक्षम होंगे |	**An**
5	रहीम एवं रसखान के व्यक्तित्व और कृत्तित्व, काव्य सौष्ठव, नैतिक मूल्य, भक्ति पद्धति तथा लेखन कौशल को समझने में सक्षम होंगे |	**U**

III- छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य

1	मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व, काव्य सौष्ठव, राष्ट्रीयता की भावना एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विवेचन करने में सक्षम होंगे |	**An**
2	जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व और कृत्तित्व, काव्य प्रवृत्तियों, रचना शिल्प, ऐतिहासिक संदर्भों का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे |	**E**
3	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व, काव्य लेखन शैली, काव्यगत विशेषताओं, जीवनानुभव तथा चिंतन दृष्टि का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे |	**An**
4	जगन्नाथ दास रत्नाकर एवं अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', के व्यक्तित्व और कृत्तित्व, काव्य भाषा खड़ी बोली हिंदी के स्वरूप तथा काव्य सौंदर्य का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे |	**E**
5	मुकुटधर पाण्डेय एवं माखनलाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व और कृत्तित्व, काव्य सौष्ठव, छायावाद के स्वरूप को समझने में सक्षम होंगे |	**U**

IV- हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

1	उपन्यास एवं कहानी के स्वरूप लेखन शैली,अभिव्यक्ति कौशल एवं प्रमुख लेखकों की चिंतन पद्धति के विवेचन में सक्षम होंगे |	**An**
2	नाटक, एकांकी, गीतिनाट्य के स्वरूप, विकासक्रम, अभिनेयता, संवाद कौशल एवं मंचन प्रक्रिया के मूल्यांकन में सक्षम होंगे |	**E**
3	निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण एवं यात्रा वृत्तांत के रचनाशिल्प, विकासक्रम, वैचारिकता, शब्दांकन एवं चिंतन दृष्टि के तार्किक विश्लेषण में सक्षम होंगे |	**An**
4	आत्मकथा, जीवनी, डायरी लेखन व आलोचना के स्वरूप, शैली, चिंतन पद्धति एवं लेखकों के जीवनानुभवों के बोध से मानव मूल्यों के विकास एवं समस्या समाधान में सक्षम होंगे।	**An**
5	व्यंग्य, रिपोर्ताज, भेंटवार्ता एवं पत्र साहित्य के स्वरूप, विकासक्रम, रचना प्रक्रिया के बोध से संप्रेषण कौशल में सक्षम होंगे।	**U**

V- आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक,एकांकी एवं रेखाचित्र)

1	जयशंकर प्रसाद की नाट्यकला, रचना-शिल्प, नाट्य मंचन, अभिनय कौशल तथा भारत के ऐतिहासिक परिदृश्य के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
2	मोहन राकेश की नाट्यकला, संवाद योजना, प्रतीकात्मकता, आधुनिकताबोध, सामाजिक समस्या, मनोविश्लेषणपरक लेखन कौशल के विवेचन में सक्षम होंगे।	An
3	विभिन्न पृष्ठभूमियों पर आधारित एकांकी, रंगमंचीयता, अभिनेयता एवं लेखन कौशल के गहन विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	समकालीन एकांकीकारों की चिंतन पद्धति, रचना विधान, रंग दृष्टि, अभिव्यक्ति कौशल का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	E
5	महादेवी वर्मा की लेखन कला, रेखाचित्र विधा के स्वरूप, अभिव्यक्ति शैली, लेखन पद्धति की समझ एवं रचनात्मक प्रेरणा विकसित होगी।	U

MA Hindi Semester-II

I उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक का इतिहास

1	रीतिकालीन परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, काव्यधाराओं, प्रमुख कवियों की काव्य प्रतिभा, कलात्मकता, सौंदर्यबोध एवं लेखन शैली की विवेचनात्मक समझ विकसित होगी।	U
2	आधुनिककाल की सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तथा सन् 1857 की राज्यक्रांति व पुनर्जागरण काल के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
3	भारतेंदु युग एवं दिवेदी युग की परिस्थितियों, काव्य प्रवृत्तियों, वैचारिक दृष्टिकोण एवं प्रमुख साहित्यकारों के तार्किक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	हिंदी की राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा तथा छायावाद की साहित्यिक प्रवृत्तियों, चिंतन पद्धति एवं प्रमुख साहित्यकारों के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
5	छायावादोत्तर कालीन काव्य की प्रवृत्तियों, नवीन मूल्यबोध, नवीन शिल्प विधान, लेखन शैली तथा साहित्यकारों की आधुनिक चिंतन पद्धति के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।	U

II- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

1	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) का नामकरण एवं काल विभाजन, रीतिकाल की परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ, काव्य धाराएं, रीतिकालीन कवि - मतिराम, गुरूगोविंद सिंह, गिरधर कविराय, वृंद, घनानंद ।	U
2	आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण।	E
3	भारतेन्दु युग - प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएँ द्विवेदी युग - प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएँ।	An
4	राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ छायावाद - नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्य ।	E
5	छायावादोत्तर काल प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता	U

	का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ ।	

III- प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी काव्य

1	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय के व्यक्तित्व और कृतित्व, काव्य संवेदना, शिल्प विधान एवं भाषा कौशल के गहन विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
2	मुक्तिबोध के व्यक्तित्व और कृतित्व, विशिष्ट काव्य लेखन शैली, बिम्ब, प्रतीक, फंतासी के नवीन प्रयोग तथा मध्यमवर्गीय जीवन की वास्तविकता को समझने में सक्षम होंगे।	U
3	जनवादी कवि नागार्जुन के व्यक्तित्व और कृतित्व, काव्यगत विशेषताओं, संवेदना पक्ष, यथार्थवादी दृष्टिकोण, काव्य भाषा की संप्रेषणीयता एवं समाजवादी दर्शन के विवेचन में सक्षम होंगे।	An
4	रामधारी सिंह दिनकर तथा केदारनाथ अग्रवाल के व्यक्तित्व और कृतित्व, रचना कौशल, वैचारिक प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता एवं सामाजिक मूल्यबोध के विवेचन में सक्षम होंगे।	An
5	भवानी प्रसाद मिश्र एवं विनोद कुमार शुक्ल के व्यक्तित्व और कृतित्व, वैचारिक गतिशीलता एवं नवीन संवेदनाओं को समझने में सक्षम होंगे।	U

IV - आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

1	उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व, कृतित्व, उपन्यास लेखन शैली, आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी चिंतन पद्धति, भारतीय ग्रामीण परिवेश एवं कृषक जीवन के मानव मूल्यों की समझ विकसित होगी।	U
2	आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं विद्यानिवास मिश्र के व्यक्तित्व, कृतित्व, निबंध लेखन कला, वैचारिक गंभीरता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विवेचन में सक्षम होंगे।	An
3	कुबेरनाथ राय के व्यक्तित्व, कृतित्व, निबंध लेखन शैली, अभिव्यक्ति कौशल एवं रागात्मकता के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	मुंशी प्रेमचंद व चंद्रधर शर्मा गुलेरी के व्यक्तित्व, कृतित्व, कहानी लेखन शैली, प्रस्तुतिकरण, विषय चयन, भावाभिव्यक्ति एवं सामाजिक परिदृश्य की गहरी समझ विकसित होगी।	U
5	भीष्म साहनी के व्यक्तित्व, कृतित्व, लेखन कला, सामाजिक सरोकार एवं वैचारिक प्रौढ़ता के मूल्यांकन में सक्षम होंगे ।	E

V-I- हिंदी की अन्य गद्य विधाएँ

1	रामदरश मिश्र के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित होकर संस्मरण विधा के स्वरूप एवं रचना शैली का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	An
2	राहुल सांकृत्यायन के व्यक्तित्व, कृतित्व, यात्रावृत्तांत साहित्य के स्वरूप, वैश्विक सभ्यता व संस्कृति के विविध संदर्भों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	An
3	मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व और कृतित्व के अध्ययन से आत्मकथा विधा के स्वरूप, लेखन शैली एवं स्त्री समस्याओं के सामाजिक आयामों के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
4	विष्णु प्रभाकर के व्यक्तित्व, कृतित्व, जीवनी विधा के स्वरूप, रचना शैली एवं नैतिक	An

	मूल्यों का तार्किक विवेचन करने में सक्षम होंगे।	
5	धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व, कृतित्व, गीतिनाट्य लेखन कौशल, वैचारिक दृष्टिकोण एवं वर्तमान वैश्विक जीवन मूल्यों का तार्किक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	E

Internship

1	पत्रकारिता प्रशिक्षण द्वारा समाचार संकलन, लेखन एवं प्रभावी संचार में दक्ष बनेंगे ।	U
2	संपादन के आधारभूत तत्वों को समझकर घटनाओं, तथ्यों, समस्याओं और विचारों के सटीक विश्लेषण में सक्षम होंगे	An
3	प्रिंट मीडिया, पृष्ठ सज्जा, फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे ।	C
4	संवाददाता की कार्यपद्धति, प्रभावशाली संवाद, साक्षात्कार कौशल को समझे में सक्षम होंगे ।	U
5	पत्रकारिता के आधुनिक स्वरूप को समझकर प्रिंट मीडिया में रोजगार के अवसर प्राप्त करेंगे।	C

MA Hindi Semester-III

I साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र

1	काव्य रचना के शास्त्रीय नियमों एवं रस सिद्धांत को समझते हुए संरचनागत मूल्यांकन तथा सैद्धांतिक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	U
2	भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों को समझते हुए साहित्यिक व सांस्कृतिक संदर्भों के काव्यशास्त्रीय विवेचन में सक्षम होंगे।	U
3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अंतर्गत प्लेटो, अरस्तु एवं लौंजाइनस के सिद्धांतों के ज्ञान से वैश्विक परिदृश्य में साहित्य का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	Ap
4	पाश्चात्य विद्वानों के साहित्य व कला संबंधी सिद्धांतों के ज्ञान से आलोचनात्मक विवेचन में सक्षम होंगे।	An
5	नई समीक्षा, मिथक, बिंब, फंतासी व प्रतीक योजना को समझते हुए सृजनात्मक लेखन कार्य एवं विश्लेषण कौशल में सक्षम होंगे।	E

II भाषा विज्ञान

1	भाषा एवं भाषा विज्ञान के स्वरूप, अभिलक्षण, अध्ययन की दिशाओं एवं भाषा परिवार के वैश्विक इतिहास को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	स्वन विज्ञान के स्वरूप, अध्ययन की दिशाओं, वागवयव के कार्यों को समझकर शुद्ध उच्चारण में सक्षम होंगे।	Ap
3	रूपविज्ञान के स्वरूप, अवधारणा, भेद एवं कार्यों के विशद विवेचन से भाषा की विशेष संरचना को समझने में सक्षम होंगे।	An

4	वाक्य विज्ञान के स्वरूप, भेद एवं वाक्य संरचना को समझने में सक्षम होंगे।	U
5	अर्थ विज्ञान की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन की दिशाओं तथा भाषा शिक्षण मानकों को गहराई से समझने में सक्षम होंगे।	U

III -I प्रयोजनमूलक हिन्दी

1	कार्यालयीन हिंदी के अध्ययन न से से प्रभावी संचार कौशल, पत्राचार लेखन कौशल तथा हिंदी के कार्यालयीन उपयोग में दक्ष बनेंगे।	U
2	हिंदी कम्प्यूटिंग के अध्ययन से तकनीकी कौशल प्राप्त कर शोध कार्य, सामाजिक संपर्क, शिक्षा एवं व्यवसाय जगत में कुशलतापूर्वक कार्य करने में सक्षम होंगे।	C
3	पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार, प्रभावी संचार, समाचार लेखन व संपादन कौशल में सक्षम होंगे।	Ap
4	वर्तमान तकनीकी युग में मीडिया लेखन के अध्ययन से प्रभावी संचार, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, अनुसंधान कौशल, रचनात्मक लेखन तथा डिजिटल सामग्री निर्माण में सक्षम होंगे।	Ap
5	अनुवाद के माध्यम से विभिन्न भाषाओं के ज्ञान, वैश्विक संस्कृति की समझ, कार्यालयीन प्रयोजन, अध्ययन एवं शोध कार्य में दक्षता के आधार पर रोजगार प्राप्ति में सक्षम होंगे।	C

III- II हिंदी की लंबी कविताएं

1	हिंदी की लम्बी कविताओं के स्वरूप, विकासक्रम तथा कवियों की चिंतन पद्धति को गहराई से समझन े में सक्षम होंगे।	U
2	निराला कृत कुकुरमुत्ता कविता के प्रतीकात्मक अर्थ, प्रगतिवादी दृष्टिकोण तथा सामाजिक परिदृश्य के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	अज्ञेय कृत असाध्य वीणा कविता में निहित मानव मूल्यों एवं जीवन दर्शन का विवेचन करने में सक्षम होंगे।	An
4	मुक्तिबोध कृत चाँद का मुंह टेढ़ा है कविता में निहित कल्पनाशीलता एवं मानवतावादी दृष्टिकोण के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
5	भवानी प्रसाद मिश्र कृत घर की याद कविता की भावानुभूति, सांस्कृतिक तथा साहित्यिक संदर्भों की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।	E

III-III हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

1	हिंदी साहित्य की वैचारिक चिंतन पद्धति, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक युगचेतना को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	हिंदी नवजागरण एवं खड़ी बोली हिंदी की साहित्यिक प्रतिष्ठा की यात्रा के विवेचन में सक्षम होंगे।	An
3	महात्मा गाँधी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं राममनोहर लोहिया के दार्शनिक विचारों के गहन विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	भारतीय एवं पाश्चात्य विचारधाराओं में निहित विकासशील चेतना के तार्किक मूल्यांकन	E

	में सक्षम होंगे।	
5	समाज में दलित, स्त्री, आदिवासी, अल्पसंख्यक, वृद्ध एवं किन्नर आदि की अस्मिता के संघर्षों को समझने तथा समस्याओं के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An

IV-I- पत्रकारिता प्रशिक्षण

1	पत्रकारिता के स्वरूप एवं इतिहास से परिचित होकर पत्रकारिता के उत्तरदायित्व एवं उपयोगिता को समझने में सक्षम होंगे ।	U
2	समाचार संकलन, लेखन, प्रभावी संचार एवं संपादन के आधारभूत तत्वों को समझकर घटनाओं, तथ्यों, समस्याओं और विचारों के सटीक विश्लेषण में सक्षम होंगे	An
3	प्रिंट मीडिया, पृष्ठ सज्जा, फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करेंगे।	C
4	संवाददाता की कार्यपद्धति, प्रभावशाली संवाद, साक्षात्कार कौशल तथा अन्य महत्वपूर्ण पत्रकारिता संबंधी लेखन में सक्षम होंगे।	U
5	प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता को समझने में सक्षम होंगे तथा पत्रकारिता के आधुनिक स्वरूप, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया में रोजगार के अवसर प्राप्त करे	C

IV- II- हिंदी सिनेमा

1	हिंदी सिनेमा के विकासक्रम के अध्ययन से भारतीय समाज के परिवर्तनशील मूल्यों, साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंधों को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	हिंदी सिनेमा में सामाजिक, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	हिंदी सिनेमा के प्रस्तुतिकरण की तकनीक एवं कलात्मक पक्ष के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	हिंदी सिनेमा निर्माण प्रक्रिया, चुनौतियां, औद्योगिक महत्व तथा सेंसरबोर्ड की भूमिका को समझने में सक्षम होंगे।	U
5	हिंदी सिनेमा के सामाजिक प्रभाव, पटकथा, अभिनय, संगीत नृत्य आदि विविध पहलुओं की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।	E

IV-III- शैली विज्ञान

1	भाषा के प्रयोग में निहित सूक्ष्म अर्थबोध एवं भाषा के तात्विक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	U
2	शैली विज्ञान के विभिन्न स्तरों के आधार पर भाषा एवं साहित्यक कृतियों के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से शैली विज्ञान के स्वरूप तथा व्यावहारिक प्रयोग की समझ विकसित होगी।	An
4	प्रभावी संचार कौशल, अनुवाद, व्याख्या तथा भाषा सौंदर्य के सैद्धांतिक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	U
5	शैली विज्ञान एवं भाषा विज्ञान के अंतर्संबंधों के विवेचन में सक्षम होंगे।	E

V-I- भारतीय साहित्य

1	भारतीय साहित्य के स्वरूप तथा सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	हिंदीत्तर साहित्य के इतिहास, भाषा कौशल व सौंदर्यबोध के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
3	हिंदी एवं अन्य भाषा-साहित्य के परस्पर तुलनात्मक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	महाश्वेता देवी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं लेखन कौशल के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
5	गिरीश कर्नाड एवं के.जी. शंकर पिल्लै के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं रचना कौशल के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E

V-IIलोक साहित्य

1	लोक साहित्य के स्वरूप तथा सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं के रचना शिल्प, भाषा कौशल व सौंदर्यबोध के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
3	लोक साहित्य में वर्णित सामाजिक परिदृश्य एवं भाषा शैली के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
4	लोककथाओं में निहित आंचलिकता, यथार्थवादिता एवं लेखन शैली के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
5	लोकनाट्य, लोकगाथा, लोकगीत एवं लोककथा के रचना कौशल के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E

V-III हिंदी का प्रवासी साहित्य

1	प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं इतिहास को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	हिंदी प्रवासी साहित्य के रचना शिल्प, भाषा कौशल तथा सांस्कृतिक चेतना के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	हिंदी प्रवासी साहित्य में वर्णित सामाजिक परिदृश्य, जीवनानुभवों एवं साहित्यिक वैश्वीकरण के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	समकालीन प्रवासी हिंदी साहित्य की दशा और दिशा के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
5	प्रवासी हिंदी साहित्य की संभावनाओं एवं चुनौतियों को समझने में सक्षम होंगे।	U

MA Hindi Semester-IV

I हिंदी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र

1	रचनाकारों के शिल्प कौशल एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के सूक्ष्म विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
2	आधुनिक समीक्षा पद्धतियों के माध्यम से साहित्य के बहुविध रूपों, भाषा कौशल तथा सांस्कृतिक चेतना के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
3	हिंदी कवि आचार्यों की काव्यशास्त्रीय चिंतन पद्धति को समझने में सक्षम होंगे।	U
4	आधुनिक हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र की प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा साहित्य के बहुपक्षीय मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	E
5	साहित्यिक विश्लेषण से प्राप्त ज्ञान एवं समालोचनात्मक दृष्टिकोण के आधार पर प्रभावी लेखन कौशल के विकास में सक्षम होंगे।	U

II हिंदी भाषा

1	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा हिंदी भाषा परिवार के गहन विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
2	हिंदी के भौगोलिक विस्तार तथा हिंदी की विभिन्न बोलियों के तुलनात्मक विवेचन में सक्षम होंगे।	An
3	हिंदी के विविध रूपों तथा हिंदी की संवैधानिक स्थिति को गहराई से समझने में सक्षम होंगे।	U
4	देवनागरी लिपि के वैज्ञानिक एवं मानकीकृत स्वरूप के अध्ययन से शुद्ध उच्चारण व लेखन कौशल में सक्षम होंगे।	Ap
5	हिंदी कम्प्यूटिंग की आधुनिक तकनीकी सुविधाओं के प्रयोग से आंकड़ा संसाधन, शब्द संसाधन, मशीनी अनुवाद,प्रभावी लेखन कौशल, अनुसंधान तथा हिंदी भाषा शिक्षण में सक्षम होंगे।	Ap

III -I मीडिया-लेखन

1	मीडिया के स्वरूप, उपयोगिता एवं जनसंचार माध्यमों के विविध रूपों को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	समाचार पत्र- पत्रिकाओं में संपादकीय लेखन, सामाजिक, राजनीतिक तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी लेखन एवं समस्या समाधान हेतु तार्किक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	जनसंचार के श्रवण माध्यम के अंतर्गत रेडियो प्रसारण प्रक्रिया, रचनात्मक प्रस्तुतिकरण, संप्रेषण कौशल एवं लेखन -वाचन शैली को समझने में सक्षम होंगे।	U
4	जनसंचार के दृश्य-श्रव्य माध्यमों में भाषा कौशल, समाचार वाचन, फिल्म/टेलीविजन से संबंधित लेखन कौशल को समझने में सक्षम होंगे।	U
5	आधुनिक युग में जनसंचार के तकनीकी माध्यमों के समुचित ज्ञान से रोजगार प्राप्ति में सक्षम होंगे।	Ap

III -II अस्मितामूलक विमर्श

1	समाज से बहिष्कृत, पीड़ित व शोषित दलित वर्ग की समस्याओं तथा दलित चेतना आंदोलन को गहराई से समझने में सक्षम होंगे।	U
2	स्त्री अस्मिता की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा, स्त्री समस्या के विविध आयामों तथा स्त्री सशक्तिकरण आंदोलन के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	आदिवासी समुदाय की सामाजिक - सांस्कृतिक संरचना एवं संघर्ष के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	अल्पसंख्यक वर्ग के सामाजिक बहिष्कार की पीड़ा, न्याय और समता के संघर्ष को समझने में सक्षम होंगे।	U
5	वृद्धजन की मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक एवं आर्थिक समस्याओं व समाधान के विवेचन में सक्षम होंगे।	An

III-III हिन्दी साहित्य में स्त्री लेखन

1	हिंदी साहित्य में स्त्री लेखन परंपरा एवं स्त्रीवादी चेतना को गहराई से समझने में सक्षम होंगे।	U
2	स्त्री-विमर्श की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा तथा वैश्विक परिदृटश्य में स्त्री की दशा और दिशा के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	स्त्री-जीवन की सामाजिक, आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक समस्याओं के विविध आयामों तथा स्त्री सशक्तिकरण आंदोलन के गहन विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
4	हिंदी साहित्य में स्त्रीवादी रचनाकारों के लेखन कौशल, आत्मकथात्मक शैली तथा साहित्यिक अवदान का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	E
5	स्त्रीवादी लेखन की संभावनाओं एवं चुनौतियों को समझने में सक्षम होंगे।	U

IV-I अनुवाद

1	अनुवाद के स्वरूप, प्रक्रिया, प्रयोजनीयता एवं उपयोगिता को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	कार्यालयीन हिंदी, जनसंचार माध्यम, तथा साहित्य के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An
3	वाणिज्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं विधि के क्षेत्र में अनुवाद कौशल में सक्षम होंगे।	Ap
4	कार्यालयों, प्रशासनिक, बैंकिंग व अन्य क्षेत्रों में अनुवाद प्रक्रिया की उपयोगिता को समझने में सक्षम होंगे।	U
5	विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अनुवाद एवं दुभाषिया प्रविधि को समझने में सक्षम होंगे।	U

IV-II शोध प्रविधि एवं प्रकिया

1	शोध की अवधारणा और स्वरूप को समझने में सक्षम होंगे।	U
2	शोध पद्धतियों के प्रयोगात्मक कौशल के विकास में सक्षम होंगे।	An
3	शोध की चरणबद्ध प्रकरिया द्वारा तथ्यों के मूल्यांकन, विश्लेषण तथा समस्या समाधान कौशल के विकास में सक्षम होंगे।	An
4	कम्प्यूटर के व्यावहारिक ज्ञान द्वारा शोधकार्य में नवाचार कौशल वृद्धि में सक्षम होंगे।	Ap
5	शोधकार्य की संभावनाओं तथा चुनौतियों के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	An

IV -III भक्तिकाल के प्रतिनिधि कवि (कबीर,जायसी,तुलसीदास,सूरदास)

1	भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, प्रवृत्तियों एवं काव्यधाराओं से परिचित होंगे।	An
2	कबीरदास के व्यक्तित्व-कृतित्व, ज्ञानमार्गी भक्ति पद्धति, दर्शन, समाज सुधार की भावना, तार्किकता, काव्य सौष्ठव तथा अवदान के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	E
3	जायसी के व्यक्तित्व-कृतित्व, प्रेममार्गी भक्ति पद्धति, दर्शन, काव्य सौंदर्य तथा अवदान	U

	के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	
4	तुलसीदास के व्यक्तित्व-कृतित्व, दास्यभाव की भक्ति, दर्शन, वैचारिक दृष्टिकोण, काव्य कला तथा अवदान को गहराई से समझने में सक्षम होंगे।	**An**
5	सूरदास के व्यक्तित्व-कृतित्व, सख्यभाव की भक्ति, दार्शनिक विचार, अभिव्यक्ति कौशल, काव्य सौष्ठव तथा अवदान के विश्लेषण में सक्षम होंगे।।	**E**

V-I छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

1	छत्तीसगढ़ी भाषा की भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरूप तथा व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे।	**U**
2	छत्तीसगढ़ी साहित्य के इतिहास एवं युग प्रवृत्तियों के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	**An**
3	छत्तीसगढ़ी के प्रमुख कवियों के काव्य रचना कौशल के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	**E**
4	छत्तीसगढ़ी नाटक व उपन्यास के शिल्प विधान के मूल्यांकन में सक्षम होंगे।	**E**
5	छत्तीसगढ़ी के प्रमुख रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	**An**

V-II लघु शोध - प्रबंध

1	साहित्य के तथ्यान्वेषण, तार्किक मूल्यांकन एवं शोध कौशल में सक्षम होंगे।	**E**
2	विभिन्न दृष्टिकोणों से तथ्यों के समग्र विश्लेषण में सक्षम होंगे।	**An**
3	सृजनात्मकता, आलोचनात्मक दृष्टि एवं प्रबंधन क्षमता के विकास में सक्षम होंगे।	**An**
4	विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति एवं प्रभावशाली संचार कला में सक्षम होंगे।	**Ap**
5	समस्या के विश्लेषण तथा समाधान कौशल में सक्षम होंगे।	**An**

V-III - प्रमुख हिंदी गद्यकार (भारतेंदु, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, फणीश्वरनाथ रेणु)

1	हिंदी गद्य के उद्धव और विकास से परिचित होंगे।	**An**
2	भारतेंदु हरिश्चंद्र के व्यक्तित्व, कृतित्व,सुधारवादी दृष्टिकोण, राष्ट्रीयचेतना, लेखन कौशल एवं खड़ी बोली हिन्दी के विकास में उनके योगदान का सूक्ष्म विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	**E**
3	मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व, कृतित्व, आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी दृष्टिकोण, लेखन कौशल एवं साहित्यिक अवदान का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	**U**
4	जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व, कृतित्व, चिंतन दृष्टि, जीवन दर्शन, लेखन कौशल तथा साहित्यिक अवदान को समझने में सक्षम होंगे।	**An**
5	आंचलिक कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु के व्यक्तित्व, कृतित्व, लेखन शैली, यथार्थवादी चिंतन दृष्टि तथा साहित्यिक अवदान के विश्लेषण में सक्षम होंगे।	**U**